विषय - संस्कृत (स्नातक स्तर)

Programme Outcomes (POS)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी ।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी ।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे ।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे ।
- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने-समझने योग्य होंगे ।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे ।
- संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा ।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तद्रिहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे ।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा ।

पाठ्यक्रम परिणाम	सेमेस्टर	पेपर	पाठ्य विषय	पाठ्यक्रम परिणाम
बी ए	प्रथम	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	T	विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे। वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे ।
बी ए	द्वितीय	संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग	T	विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे। संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा ।

				राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे ।
बी ए	तृतीय	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	T	भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे । व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे। व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।
बी ए	चतुर्थ	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	T	व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य

				विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा। विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा। संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी। अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।
बी ए	पंचम	वैदिक वाङ्गय एवं भारतीय दर्शन	T	भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा। दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थ बोध होगा।

				दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
बी ए	पंचम	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	T	भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा। संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा। भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व से सुपरिचित होंगे।
बी ए	षष्ठ	आधुनिक संस्कृत साहित्य	T	आधुनिक संस्कृत-साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।

				आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
बी ए	षष्ठ	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा।	T	भारतीय योग शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे। योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे। योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे। योग के आसनों के सैद्धांतिक एवं

				व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे